Title: Police atrocities on Muslim minorities in different parts of the country.

अध्यक्ष महोदय : श्री जी.एम.बनातवाला जी का नोटिस है।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, हमारा पहला नोटिस है, यह बहुत गंभीर मामला है।

अध्यक्ष महोदय : पहला-दूसरा नहीं होता। मैं आपको भी बोलने की इजाजत दूंगा, मैंने आपको मना कहां किया है।

श्री जी.एम.बनातवाला (पोन्नानी) : जनाब स्पीकर साहब, एक निहायत ही संगीन और तश्वीशनाक सूरतेहाल है कि जो उभर रही है। मुल्क के मुख्तलिफ हिस्सो में तफतीश के बहाने और आई.एस.आई. एजेन्ट या टैररिस्ट्स, दहशतगर्द होने के बहाने बेगुनाह मुस्लिम अक्लियती अफरात को परेशान और हैरासां किया जा रहा है। चाहे गुजरात का अहमदाबाद हो या गोधरा हो, चाहे महाराट्र के जिला ठाणे में पड़धा का गांव बोरिवली हो, मुख्तलिफ जगहें हैं कि जहां ये परेशानियां पुलिस की तरफ से हैं कि पुलिस दहशत का माहौल पैदा कर रही है।â€¦ (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, सारी स्टेट्स में क्या हो रहा है, अलग-अलग स्टेट्स में क्या हो रहा है, उसका यहां से क्या ताल्लुक है कि वहां किसी को तंग किया जा रहा है या नहीं किया जा रहा है, उसका यहां से क्या ताल्लुक है।

इसका कोई ताल्लुक केन्द्र से नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

श्री जी.एम.बनातवाला : वहां पुलिस दहशत का माहौल पैदा कर रही है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Banatwalla, this is a State subject. Please conclude.

श्री जी.एम.बनातवाला : अहमदाबाद में साबिक वज़ीर हरेन पाण्ड्या के कत्ल के बाद उसकी तफतीश के बहाने बड़ी तादाद में मुस्लिम नौजवानों को परेशान किया जा रहा है। रातों को दरवाज़े पर दस्तक देकर पुलिस उठा ले जाती है और मार-पीट करके छोड़ देती है। गोधरा में मौलवी हुसैन ओवरज़ी को गिरफ्तार करने के बाद एक दहशत का मौहाल बना है। यह एक मज़हबी शख्सियत हैं जिन्होंने रिलीफ पहुँचाने के काम में और मज़लूमों की नुमाइंदगी के काम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। जनाब, 20 अप्रैल के हिन्दू अखबार में सारी तफसील आई है। पीपल्स यूनियन फॉर डैमोक्रैटिक राइट्स बतलाता है कि एक एक सिंगल केस के अंदर 124 लोग हैं जो पोटा में गिरफ्तार किये जाते हैं। एक दहशतगर्दी का माहौल है। इसी तरह से महाराट्र के पडधा के अंदर बोरिविली गाँव में दहशतगर्दी का माहौल है। पूरी पुलिस की टीम मुलुंड के बम धमाके की तफतीश के बहाने ज़बर्दस्त तादाद में गांवों पर नाज़िर होकर वहां पर दहशत फैला रही है। लोग सहमे हुए हैं और मामला नाचिन का हो या खोट का हो, तमाम नौजवानों को परेशान किया जा रहा है। भिवंडी और बोरिविली गांव के दरम्यान ट्रांसपोर्ट ठप्प हो गया है। पुलिस जीप्स को रोककर लोगों को परेशान करती है। यह हुकूमत खामोश तमाशाई नहीं रह सकती। इस सिलसिले में हमारी हुकूमत को चाहिए कि ज़रूरी कदम उठाए और यह परेशानी और परसीक्यूशन जो हो रही है, उसको खत्म किया जाए, यह आज ज़रूरी है। पुलिस ने एक दहशत और खौफ़ का माहौल पैदा कर दिया है क्या तमाम मुसलमानों को टैररिस्ट समझा जा रहा है। यह कहां का तरीका होगा? इस चीज़ को खत्म करने के लिए, कम्युनल हार्मोनी के लिए, बेगुनाह परेशान न किये जाएं, इसके लिए हमारी हुकूमत ज़रूरी कदम उठाए।

अध्यक्ष महोदय : रामजीलाल सुमन।

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : आपने कहा था कि इनके बाद प्रभुनाथ जी को बुलाएंगे।

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा था कि इनके बाद इनका होगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : इनका तो झगड़ा होना है, हमारा तो कोई झगड़ा नहीं है। हमें पहले बोलने दीजिए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : इसके बाद ज़ीरो आवर नोटिस भी हैं।

श्री अशोक कुमार सिंह चन्देल (हमीरपुर, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, यह राज्य का मामला उठा रहे हैं और यह सरासर गलत बात है। â€¦ (व्यवधान)